SEMESTER-I

AEC

प्रयोजनमूलक हिंदी

UNIT - I

प्रयोजनमूलक हिंदी :

प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप और परिभाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी के भेद, प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ, प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्याएँ और संभावनाएँ

UNIT - II

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति:

राजभाषा समिति, 1957, राजभाषा के संबंध में राष्ट्रपति के आदेश, 952, 1955, 1960, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा अधिनियम 1967, राजभाषा अधिनियम 1976

UNIT - III

कार्यलयी हिंदी:

हिंदी के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर, मानक हिंदी

कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य

आलेखन: परिभाषा, स्वरूप, विशेषता, प्रारूप

टिप्पण: परिभाषा, स्वरूप, विशेषता, प्रारूप

पत्रलेखन, पल्लवन, संक्षेपण

पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्दावली का स्वरूप एवं महत्त्व पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, पारिभाषिक शब्दावली के भेद, ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त कुछ निर्धारित पारिभाषिक शब्दाबली

UNIT – IV

हिंदी में कंप्यूटर का अनुप्रयोग:

कंप्यूटर का परिचय, कंप्यूटर की संरचना, कंप्यूटर के प्रकार, कंप्यूटर की उपयोगिता, हिंदी में शब्द संसाधन, हिंदी में डाटा संसाधन, वेब पब्लिशिंग, वेब पेज डिजाइनर

इंटरनेट :

इंटरनेट स्वरूप और विकास इंटरनेट : कार्यप्राणाली, इंटरनेट के संपर्क उपकरणों का परिचय, इंटरनेट एक्सप्लोटर, इंटरनेट की अनुप्रयुक्तता।

लिंक, ई-मेल, ब्राउजिंग, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, न्यू मीडिया, वेब पत्रकारिता, ब्लागिंग, इंटरनेट रिलै चैट, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल।

पाठ्य पुस्तक:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो. राधाकांत मिश्र,
   डॉ. अमूल्य रत्न महांती,
   प्लैनेट वी, हिंदी बुक सेंटर, बादामबाड़ी, कटक